move as much of coarse grains as possible from Madhya Pradesh and Rajasthan.

**Shri Ranga** (Chittoor): Sir, his question was different. He wanted to know how much has been asked by the Government of Gujarat and how much has been supplied by the Union Government.

**Shri C. Subramaniam:** I gave the figures. As far as wheat is concerned 40,000 tons was the original allotment. 10,000 tons more have been given and another 5000 tons I allotted yesterday. Therefore, it comes to 55,000 tons.

**Mr. Speaker:** How much has been asked by that Government?

**Shri C. Subramaniam:** The Gujarat Government do not want more of wheat and rice. They want coarse grains. There is no quantity indicated, because however much is available they are prepared to take up.

**श्री बागड़ी** : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है । मैं चाहता हूं कि मंत्री महोदय से कहा जाये कि जो प्रश्न किया जाये उसका वह पूरा उत्तर दें । जब पूरा उत्तर नहीं दिया जाता है तो आप को हमारी हिफाजत करनी चाहिये और आप ही कर सकते हैं । अभी एक माननीय सदस्य ने पूछा कि गुजरात सरकार ने केन्द्रीय सरकार से कितने अन्न की मांग की थी और केन्द्रीय सरकार ने किस हद तक उसकी पूर्ति की है, उसका जवाब अभी तक नहीं आया है । कम है, ज्यादा है, इस तरह का अगर अनिश्चित जवाब दे दिया जाता है तो उससे कठिनाई पैदा होती है । बहुत अहम प्रश्न किया गया था लेकिन उसका . . .

**अध्यक्ष महोदय** : जो जवाब नहीं दिया गया था, वह मैंने पूछ लिया है ।

---

**12.25 hrs.**

## RE: CALLING ATTENTION NOTICE (Query)

**Shri Dinen Bhattacharya** (Serampore): Sir, I have got a submission. Last Friday I gave a Calling Attention Notice.

**Mr. Speaker:** Order, order; I am not going to answer that now.

**Shri Dinen Bhattacharya:** My submission is this. I want to know what problems or what issues are of national importance or of urgent importance. The train service was dislocated for nine hours at Howrah. But my Calling Attention Notice has not been admitted.

**Mr. Speaker:** Order, order. The hon. Member may resume his seat. I cannot allow a discussion in that manner.

**Shri Dinen Bhattacharya:** I am not entering into any discussion. I am only pointing that there is a lock-out and 10,000 workers are out of employment.

**Mr. Speaker:** Order, order. Will the leader of his Group ask him to resume his seat?

**An Hon. Member:** There is no leader.

**Shri Dinen Bhattacharya:** There is strike at TELCO. Two groups of the INTUC are quarrelling and the workers are suffering.

**Mr. Speaker:** If he is not prepared to resume his seat.....

**Shri Dinen Bhattacharya:** I always obey you, Sir.

**Mr. Speaker:** Then he should resume his seat and not behave in that manner. That is very objectionable.

---

**12.26 hrs.**

## SUSPENSION OF MEMBER (Dr. Ram Manohar Lohia)

**डा० राम मनोहर लोहिया (फरुखाबाद):** अध्यक्ष महोदय, . . .

**अध्यक्ष महोदय** : नहीं साहब, इस तरह से कुछ नहीं हो सकता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं तब मजबूर हो जाता हूं सब नियमों को देखते हुए यह कहने

[डा० राम मनोहर लोहिया]

के लिए कि इस सदन की कारवाई गैर कानूनी होगी ।

उसके अलावा कोई भी बहस मतलब नहीं रखेगी जब तक कि प्रधान मंत्री के दो जीभ वाले और दो माथे वाले प्रस्ताव पर यहां बहस नहीं हो जाती । इसलिए मैं आप से अर्ज करूंगा कि वह प्रस्ताव आये ।

उसके अलावा आप जानते हैं कि संसद् कार्य मंत्री का . . . .

**अध्यक्ष महोदय** : डाक्टर साहब देखिये, नियमों के बाहर मैं आप को भी नहीं जाने दे सकता हूं । यह आप का हक नहीं है कि जब कभी आप चाहें और जैसे आप चाहें आप खड़े हो जायें और किसी भी सवाल को उठा ले । यह उचित नहीं है । आप मुझे सुबह अगर लिख देते तो मैं देख लेता कि इजाजत दूं या न दूं । दो साहब आप की पार्टी के गये थे, उन्होंने मुझ से बातचीत की थी . . .

**एक माननीय सदस्य** : कोई बातचीत नहीं हुई ।

**अध्यक्ष महोदय** : मुझे पता नहीं । पार्टी के न होंगे । लेकिन उन्होंने आप का काज मेरे सामने प्लीड किया था । पार्टी है या नहीं . . . (इंटरप्शंज)

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं चाहता हूं कि उधर से भी लोग जाते . . .

**अध्यक्ष महोदय** : इस तरह से सवाल उठाये नहीं जा सकते हैं । श्री दीनेन भट्टाचार्य अभी जब बोल रहे थे तो मैं ने उनको भी टोक दिया था और उनको भी बन्द कर दिया था । आप को किस तरह से मैं इजाजत दे सकता हूं कि आप इस तरह से कोई मामला उठा लें । यह मामला इस तरह से नहीं उठाया जा सकता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : इस वक्त यह कार्रवाई बिल्कुल गैर-कानूनी होगी ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं कहूंगा कि आप गैर-काननी काम कर रहे हैं और नियमों के उलट कर रहे हैं । आप इस वक्त इस को नहीं उठा सकते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया**: यह आप की राय है, मेरी राय है या सदन की राय है ?

**अध्यक्ष महोदय** : बहुत मश्किल यह है कि मेरी जो राय है वही यहां ठीक समझी जानी है । आप मान लीजिये ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : बहुत दफा झुका हूं लेकिन जो गैर-कानूनी कार्रवाई इस ढंग की हो रही है, मैं इस में आगे साझेदारी नहीं कर सकता हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप कहें कि आप झकने के लिए तैयार नहीं हैं, तब तो बहुत मुश्किल बात हो जायेगी ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं आप को दलील

**अध्यक्ष महोदय** : इस तरह से आप नहीं बोलते जा सकते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया**: संसद्-कार्य मंत्री ने इस सदन में . . .

**अध्यक्ष महोदय** : इस तरह से नहीं उठा सकते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : तो मैं और भी कोई कार्रवाई नहीं होने दूंगा ।

**अध्यक्ष महोदय** : यह तो बहुत काबिले एतराज बात है कि आप कहें कि आप कार्रवाई नहीं होने देंगे ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : आप चाहते हैं कि मैं अपनी आवाज न उठाऊं इसलिए कि

**अध्यक्ष महोदय** : अगर आप एलानिया, डेलीबेटली, जानबूझकर और मन बना कर

कहते हैं कि मैं हाउस की कार्रवाई नहीं होने देता तो यह कभी बरदाश्त नहीं हो सकता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : बरदाश्त न करिये । ऐसी भाषा मैं भी बरदाश्त करना नहीं चाहता ।

**श्री मधु लिमये** (मंगेर) : अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं अर्ज करना चाहता हूं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : उन से मुझे बात कर लेने दीजिये । उनका इरादा जान लेने दीजिये । आप कार्रवाई चलने देंगे या नहीं ?

**डा० राम मनोहर लोहिया** : जी नहीं । जब तक आप कानून के मुताबिक कार्रवाई नहीं करते ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप को इजाजत मैं नहीं देता हूं । आप क्या करना चाहते हैं ?

**श्री मधु लिमये** : मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा । मैं आप का ध्यान 4 तारीख की कार्रवाई की ओर खींचना चाहता हूं

**अध्यक्ष महोदय** : इस बहस पर हम नहीं जा रहे हैं । आप बैठ जाइये ।

**श्री मधु लिमये** : आप जरा सुन तो लीजिये । संसद्-कार्य मंत्री ने क्या कहा था । एक मिनट दे दीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय** : उसी पर तो एतराज कर रहा हूं ।

**श्री राम सेवक यादव** (बाराबंकी) : सुन तो लीजिये ।

**श्री मधु लिमये** : एक मिनट सुन लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय** : इस तरह से नहीं हो सकता है ।

**श्री मधु लिमये** : इस सदन में आप उस पर विचार करेंगे कि उन्होंने क्या कहा था । एक मिनट सुन लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय** : ऐसा नहीं होगा । आप बैठ जायें ।

**श्री मधु लिमये** : मैं बैठ जाता हूं । लेकिन चार तारीख की कार्रवाई की ओर मैं आप का ध्यान खींचना चाहता हूं । संसद्-कार्य मंत्री ने अपना वचन तोड़ कर इस सदन का और आप का अपमान किया है, उसकी ओर मैं आप का ध्यान दिलाना चाहता हूं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : मेम्बर साहब मेरी इजाजत के बगैर, मेरे हुक्म की खिलाफवर्जी करके बाधा डाल रहे हैं और सदन की कार्रवाई को चलने नहीं दे रहे हैं . . .

**श्री मधु लिमये** : मैं सवाल उठाना चाहता हूं कि सदन का अपमान और आप का अपमान हुआ है . . .

**अध्यक्ष महोदय**: मैं आप का नाम पुकार कर कहता हूं । आप कार्रवाई चलने देंगे या नहीं देंगे ? आप को इजाजत नहीं दे सकता हूं (**इंटरप्शंज**) सलाह कर लो जिस ने करनी है ।

**श्री राम सेवक यादव** : अध्यक्ष पद की कुर्सी पर बैठ कर ऐसे शब्दों का इस्तेमाल बहुत ही नाजायज है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं उन को रोक रहा हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : यही मैं कर रहा हूं ।

डा० साहब क्या इरादा है, क्या काम चलने देंगे या नहीं चलने देंगे ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : आप का क्या है, यह मैं जानना चाहता हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : मेरा इरादा है कि काम नियमों के अनुसार चले और मैं चलाना चाहता हूं अगर आप मुझे चलाने दें तो । इस तरह से खड़े हो कर कोई मामला नहीं उठाया जा सकता है । इस तरह से आप दखल नहीं दे सकते हैं ।

**श्री बागड़ी** (हिसार) : एक व्यवस्था का प्रश्न है ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप बैठ जाइये । व्यवस्था का प्रश्न नहीं हो सकता है । पहले उन से बात कर लेने दीजिये । जब मैं खड़ा हूं तो आप नहीं बोल सकते हैं ।

**श्री बागड़ी** : मैं आप की बात पर व्यवस्था उठाना चाहता हूं । आप उसका जवाब दें ।

**अध्यक्ष महोदय** : पहले मुझे बात कर लेने दीजिये, आप बैठ जाइये ।

**श्री बागड़ी** : मैं उसी बात पर व्यवस्था का प्रश्न उठाना चाहता हूं जो आप की और डा० लोहिया की है ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं मेंबर साहबान से और सारे हाउस से कहूंगा कि आया इस तरह से कार्रवाई चल सकती है और क्या मैं उसे चला सकता हूं । अगर इस तरह से रुकावट डाली जायेगी तो हाउस का कोई प्रोग्राम नहीं चल सकता । क्या यह डिमाक्रेसी है उनके मन में है कि रुकावट डाली जाये और कार्रवाई न चलने दी जाये, तो मैं इस की इजाजत नहीं दे सकता । डाक्टर साहब, क्या जो कार्रवाई मेरे सामने है मैं उस को चलाऊं, या आप उस में रुकावट डालते हैं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके शब्द तो स्वीकारता नहीं । मैं समझता हूं कि अच्छी कार्रवाई में रुकावट दूसरी तरफ से आ रही है । मैं तो सदन की कार्रवाई को अच्छी तरह से चलाना चाहता हूं । मैं पिछले महीने से कोशिश कर रहा हूं, आप ने भी वचन दिया था, संसद् कार्य मंत्री ने भी वचन दिया था । प्रधान मंत्री के बारे में बात उठी थी । उस के ऊपर बहस होनी थी । सारी बातें हो चुकी हैं । उस के बाद भी जब मुझे मजबूर किया जा रहा है कि इन सारे वचनों को भंग किया जाये, तो मेरे सामने और सूरत ही क्या रह जाती है ।

**अध्यक्ष महोदय** : तो फिर क्या आप रुकावट जालेंगे ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं इसे रुकावट डालना नहीं मानता ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप न मानें लेकिन . . .

**डा० राम मनोहर लोहिया** : आप उसे चाहे जो समझें । लेकिन मैं आप से यह कहे देता हूं कि इस के बाद की कार्रवाई में साझेदारी करना मेरे लिये नामुमकिन है जब तक कि आप यहां पर दिये गये वचनों का पालन नहीं करवाते । इसके अलावा कोई भी बहस यहां बिल्कुल फिजूल हो जायेगी ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं दलीलों में नहीं जाना चाहता, आप ने कहा कि आप इस कार्रवाई को नहीं चलने देना चाहते ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : आप की इच्छा है अगर आप इतना भी नहीं सुनना चाहते ।

**श्री राम सेवक यादव** : अध्यक्ष महोदय, मैं आप से एक जानकारी चाहता हूं ।

**Shri Kapur Singh** (Ludhiana): Sir, may I say a word? How the proceedings of this House ought to be conducted and what consequences should follow if the proceedings are not permitted to be conducted in that manner are matters for you to decide. But when, as has apparently happened here, an attack is mounted against you, Sir, personally, it is an attack on the Chair, it is an attack on the dignity of the whole House which could not be condoned. It is an attack on our own dignity and it is an attack on the dignity of the whole nation. So, we object to it very strongly.

**श्री मधु लिमये** : अध्यक्ष महोदय, मेरा यह निवेदन है कि आप का अपमान संसद्-कार्य मंत्री ने किया है, दूसरे किसी ने नहीं किया है ।

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जाइये । डाक्टर साहब, मैं आप से विनय करता हूं कि या तो आप कार्रवाई में बाधा न डालें या फिर आप हाउस से बाहर चले जायें ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं आप से बहुत विनय के साथ अर्ज करता हूं कि अपने पैरों के बल में यहां से नहीं जाऊंगा । जब इतनी गैर-कानूनी कार्रवाई हुई हो, तब मुझे भी आप को जबर्दस्ती निकालना पड़ेगा ।

**अध्यक्ष महोदय** : सिवा इस के मेरे पास कोई चारा नहीं रह जाता । जितना लैटिट्यूड मैं दे सकता था दिया, जितनी पेशेन्स एक्सर्साइज कर सकता था की । अब उस की हद्द हो गई । इस वास्ते मैं और कुछ नहीं कर सकता सिवा इस के कि उन से बाहर जाने के लिए कहूं, और वह कहते हैं कि वह नहीं जायेंगे । यह मेरे आर्डर्स की खिलाफवर्जी है, यह माननीय सदस्य मेरे आर्डर्स को फ्लाउट कर रहे हैं । उन्होंने जान बूझ कर कह भी दिया कि वह इस सदन की कार्रवाई नहीं चलने देंगे । अब यह किसी मेम्बर के लिये और हाउस के लिये है कि वहां पर क्या तजवीज़ पेश करता है ।

**Shri Vidya Charan Shukla** (Mahasamud): I beg to move:

"That Dr. Lohia be suspended from the service of the House for the remainder of the session."

**Shri S. M. Banerjee** (Kanpur): Who is he to move this motion?

**Mr. Speaker:** That is for him to decide. I have to put it to the vote of the House.

**Some hon. Members** *rose*—

**Mr. Speaker:** There cannot be any discussion.

**Shri S. M. Banerjee:** Sir, I have a submission to make.

**Mr. Speaker:** Order, order. I have said that there cannot be any discussion.

**डा० राम मनोहर लोहिया** : प्रस्ताव प मुझे भी बोलने का मौका दीजिये । मैं भी उस पर बोलना चाहता हूं ।

**श्री राम सेवक यादव** : इस प्रस्ताव पर मैं भी कुछ कहना चाहता हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : अब इस पर डिस्कशन की इजाजत नहीं दी जा सकती और न यहां पर डिस्कशन हो सकता है । मोशन यहां पर आया है और उसे मूझ को हाउस के सामने रखना होगा ।

**श्री हुकम चन्द कछवाय** (देवास) : अध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव रखा गया है, मैं उस के सम्बन्ध में कुछ कहना चाहता हूं । माननीय सदस्य ने यहां पर मोशन रखा है कि इस अधिवेशन के बाकी समय के लिये डा० राम मनोहर लोहिया को निकाल दिया जाये । मैं इस का विरोध करता हूं । मैं आप से केवल यह निवेदन करना चाहता हूं कि आप ने जो निर्णय दिया है कि आज तक के लिये उन को निलम्बित किया जाये, यह पर्याप्त है ।

**अध्यक्ष महोदय** : माननीय सदस्य ने शायद सुना नहीं कि उन्होंने यह कहा कि वह बाहर नहीं जायेंगे ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : अध्यक्ष महोदय, मैं इस प्रस्ताव पर बोलना चाहता हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : नहीं, नहीं ।

**Shri S. M. Banerjee:** I am not concerned with the motion that has been moved by Shri V. C. Shukla or the stand that you are going to take on that. I am not concerned with it. I only plead with you that of late, as the House very well knows, Dr. Lohia has been raising this issue from time to time. Is the Minister of Parliamentary Affairs prepared to have a discussion or not is the crux of the problem. You may send Dr. Lohia out of the House for the remaining period.... (*Interruptions*).

**Mr. Speaker:** Order, order. Now the motion before the House is....

**डा० राम मनोहर लोहिया** : अध्यक्ष महोदय, जब आप मुझे निकाल रहे हैं तो मुझे यह कहना है कि मुझे इस पर बोलने का हक तो दिया जाये ।

**Shri Nath Pai** (Rajapur): May I have a word before you proceed with the motion moved against Dr. Lohia. There is not the slightest doubt that the House patiently waited for this discussion and yet the Minister of Parliamentary Affairs was remiss.... (*Interruptions*). Only one sentence. He gave some assurances. The first assurance was that since the motion was admitted by you, he would take it up after the Prime Minister's return and, the second one, that he would place it before the Business Advisory Committee. I am very sorry to say that the Minister did not carry out either of these two promises. I know that today he is confined to bed with flu, but he must know the sense of the House. I do not agree with Dr. Lohia when he says that he must obstruct your work or challenge your authority. At the same time, the issues must be known to all. Of course, no hon. Member should challenge the authority of the Chair.

**Shri Vidya Charan Shukla:** That is the only question.

**Shri Nath Pai:** That is not the only question.

जरा मेरी बात सुनो, मुझे डराओ मत । मेरा सिर्फ इतना अनुरोध है कि हम इस में तो शरीक नहीं होंगे कि आप की बात कोई न माने । लेकिन इस के साथ साथ में हमें यह भी जानना चाहिये कि कई दिनों से यह कोशिश जारी है कि यहां से सम्मति दी जाये । उन का जो प्रस्ताव है . . .

**Mr. Speaker:** It is a serious matter.

**Shri Nath Pai:** While I do not agree with the hon. Dr. Lohia in his obstructionist policy, I would yet plead with the House that we should be given an opportunity to have a discussion on that motion.

**Shri H. N. Mukerjee** (Calcutta—Central): It has put us in a very embarrassing position by the turn of events. It has taken this turn perhaps because this House does seem to be without anybody who can be given the designation of being the Acting Leader of the House. You, Sir, continued to have your conversation with the hon. Members over there and it went on perhaps because you considered that there might conceivably have been some substance in the complaint which has accumulated in his mind, and that is why you went on arguing with them, while when perhaps some other member like Shri Dinen Bhattacharyya, for instance, raised some point you took short shrift. In this case, you gave him a lot of rope because there must have been some substance in what he was trying to put forward. I could not quite follow the proceedings but I could guess you were having that kind of tussle with the hon. Member, who is so formidable. But there is a Government here, there is a Leader of the House, there must be an Acting Leader of the House; the Government says nothing and a very ordinary member of the Government party says something to the effect that he must be suspended for.... (*Interruptions*).

**श्री हुकम चन्द कछवाय** : जब सन् 65 के बाद अंग्रेजी को सहभाषा बनाये रखने सम्बन्धी विधेयक प्रस्तुत हुआ था तब श्री बागड़ी के सम्बन्ध में इस तरह का प्रस्ताव रखा गया था और तब भी इन्हीं माननीय सदस्य ने मोशन रखा था, फिर स्वामी जी के बारे में भी इन्हीं ने प्रस्ताव रखा था, मेरे बारे में भी यही प्रस्ताव लाये । मैं जानना चाहता हूं कि क्या इन्होंने ही ठेका ले रखा है जब भी ऐसा मोशन आये तो वही लायेंगे ।

**अध्यक्ष महोदय** : इस में कोई हर्ज नहीं है । मैं आप से बतलाना चाहता हूं और श्री मुकर्जी की इन्फार्मेशन के लिए भी . . .

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : अध्यक्ष महोदय अगर आप उचित समझ तो मैं एक मिनट में कुछ कहूं । मेरा जो विचार है, अगर आप आज्ञा दें तो ही मैं कहूंगा ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं किसी को रोकता नहीं लेकिन मेरा यह मतलब है कि जो यह कहे कि मैं कार्रवाई नहीं चलने दूंगा उस पर अगर कोई एक्शन न लिया जा सके, यह हाउस न ले सके, तो मुझे कोई एतराज नहीं . . .

**श्री मधु लिमय** : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : ऐसे नहीं हो सकता, मैंने श्री प्रकाशवीर शास्त्री को बुलया है ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : अध्यक्ष महोदय, जिस प्रस्ताव पर आप निर्णय लेने जा रहे हैं हैं और यह बहुत गम्भीर प्रश्न है अगर इस में निर्णय करने में और क्रोध या आवेश से काम लिया जायेगा तो बहुत सम्भव है कि कुछ गलत परम्पराओं का श्रीगणेश हो जाय । मेरा अनुमान यह है कि जब डा० लोहिया ने इस बात को यहां उठाया था तो आप उनसे शायद यह कहना चाहते थे कि पहले जो पेपर्स टेबल पर ले होने थे वे हो जायें उसके बाद आप उनको अपनी बात कहने का अवसर देंगे । जहां तक मैं समझ पाया . . . (*Interruptions*) आप क्यों बोल रहे हैं, अध्यक्ष महोदय से कह रहा हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप कहें ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : मेरा अपना अनुमान इसी प्रकार का है कि अगर संसद्-कार्य मन्त्री भी सदन में होते या प्रधान मन्त्री यहां होते तो ऐसी स्थिति न होती । साढ़े तीन बजे जो प्राइवेट मेम्बस बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग है, उसके सामने यह प्रस्ताव है । बहुत सम्भव है कि वह कमेटी इस बात को स्वीकार कर लेती कि इस प्रस्ताव को प्राथमिकता दे दी जाये, और प्रायोरिटी देने के बाद जो तीन दिन अधिवेशन के शेष हैं उनमें इस प्रस्ताव को रख लिया जाय । लेकिन इसके लिये समाधान हो सकता था डा० राम मनोहर लोहिया की बात सुन लेने के बाद । पर और बात बीच में ही होने से यह बात यों सदन में नहीं आई । मेरा निवेदन यह है कि आप डा० लोहिया की बात पूरी तरह से सुन ले और इाप्रवेट मेम्बर्स बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी को कोई निर्णय कर लेने दें, तब आप इस पर कोई निर्णय दें ।

**अध्यक्ष महोदय**: तो क्या इस वक्त कारवाई बन्द कर दें । आप क्या चाहते हैं कि हम इस वक्त हाउस को एडजर्न कर दें । आप की क्या इच्छा है ।

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : बाकी कारवाई चलती रहे ।

**अध्यक्ष महोदय** : डा० लोहिया तो कहते हैं कि वह कार्रवाई चलने नहीं देंगे और आप कहते हैं कि चलती रहे । (*Interruptions*) अब आप बैठ जाइये, मैं कुछ कहना चाहता हूं ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : अध्यक्ष महोदय . . .

**Mr. Speaker:** There is one No-Confidence motion. If notice of it is given, that must get priority and immediately a decision has to be taken when it is to be discussed within a specified period. There is another which is only a censure for a particular act. There is no other provision except that it is to be enumerated in the category of 'No-Date-Yet-Named' motion. It has recently happened in England also. There was a motion against Mr. Wilson. That has not been discussed. He has not allowed time for that. What my duty or responsibility is, that should be distinguished from the one that the Government has. I have only to see whether *prima facie* it is to be admitted or rejected. That everyone knows and I made it

[Mr. Speaker]

clear that I have admitted it. Then, it is for the Government to find time for all these motions. We have a sub-committee that goes into these things and according to the information of Mr. Prakash Vir Shastri that is meeting today at 3-30 P.M. It might give priority or might not give priority, I do not know. Even after it has given the priority, what the reaction of the Government might be, that also I cannot say. But where do I come into the picture that the proceedings of the House should be stopped and that he will not allow the House to proceed?

What I said was that if he had written to me, I would have replied to him. The hon. Members of this House—they might be of his Party—did approach me and I tried to explain to them the whole position. I told them that he might go and attend the meeting of the sub-committee; it might be possible to persuade them to give priority to this resolution. That was the only course. But now when a Member stands up and says that he will not allow the proceedings to be conducted inside the House, there is the end of democracy. Nobody can function here. These two things must be distinguished from each other. What we have here is the attitude of the Member and that is, he openly says he will not allow any proceedings to take place inside the House. Whether he can have other remedy that the Government should do something is a different thing altogether. I might give him every support. That is also possible. But that cannot be said in this manner. When he flouts the authority of the Speaker and determinedly asserts that he will not allow any work to be conducted here unless his motion is taken first, how can that be allowed? The hon. Minister.

**The Minister of Home Affairs (Shri Nanda):** Mr. Speaker, Sir.... *(Interruption)*.

**श्री मधु लिमये :** सदर साहब, मिनिस्टर साहब को सुनने के पहले मैं एक बात कहना चाहता हूं . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर । मैंने मिनिस्टर साहब को बुला लिया है ।

**Shri Nanda:** Sir, you have put the position very clearly. Nothing more is to be added to it. But I would like to emphasize this aspect. The issues are very clear and distinct. If there is a grievance on the part of a Member, there are ways to have the matter dealth with. The other day, the Minister for Parliamentary Affairs had stated the position that there was a motion and the question of fixing a date was going to be considered. Whatever the position is.....

**श्री राम सेवक यादव :** उन्होंने मान लिया था, वचन दिया था . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आर्डर, आर्डर । अब माननीय सदस्य सुनें ।

**Shri Nanda:** Whether any more urgent business is going to be dealt with, whether a place could be given to it today or tomorrow or day after, are the things which are to be discussed separately. This question of the conduct of the proceedings inside the House is an issue to be considered separately. May I submit that this has been going on too far. You have very kindly given the utmost consideration to the Members and enough latitude is being permitted. I think it is trespassing the tolerance of the House and yourself. I think the motion should be proceeded with.

**Mr. Speaker:** The question is:

"That Dr. Ram Manohar Lohia be suspended.....

**डा० राम मनोहर लोहिया :** अध्यक्ष महोदय, जिसके खिलाफ़ आप कार्यवाही करने जा रहे हैं क्या उसे उस बारे में एक बात कहने का भी मौका नहीं देंगे ?

**Mr. Speaker:** Now the question is:

'That Dr. Ram Manohar Lohia be suspended from the service of the House for the remainder of the session."

Those in favour may say, 'Aye'.

**Several Hon. Members:** Aye.

**Mr. Speaker:** Those against may say, 'No'.

**Some Hon. Members:** No.

**Mr. Speaker** The 'Ayes' have it...

**Shri Nath Pai:** In view of what Mr. Prakash Vir Shastri has said just now—I do not know what Dr. Lohia is intending to do—I think the proper course would be.... (*Interruptions*).

**श्री नाथ पाई** : अध्यक्ष महोदय, मैं कभी कार्यवाही में अकारण दखल नहीं देता लेकिन...

**अध्यक्ष महोदय** : अगर वे यह कहना चाहते हैं कि मैं और अधिक सब्र कर सकता था तो मुझे मालूम नहीं ।

**श्री नाथ पाई** : जी आपने काफ़ी सब्र किया है लेकिन बस एक ही शब्द सुनिये...

**अध्यक्ष महोदय** : आपने खुद कहा था और डा० मुकर्जी ने भी कहा था कि मैंने कितना सब्र किया और किस तरीक़ से अब तक टौलरेट करता गया जो कुछ भी होता रहा तो अब उसके बाद अगर मैं मोशन पुट करता हू तो उसमें बेजा क्या है ?

**श्री नाथ पाई** : उन्होंने यह नहीं कहा. (*Interruption*). I have a way out. We may proceed to the next business. (*Interruption*). Why not?

**Mr. Speaker:** How can I when he will not allow it?

The question is:

"That Dr. Ram Manohar Lohia be suspended from the service of the House for the remainder of session."

**डा० राम मनोहर लोहिया** : इसे ऐसा न पास करवाइये । इस पर आप बटन दबाइये ।

**Mr. Speaker:** Let the Lobbies be cleared.

The Lok Sabha divided:

**Shri Basumatari** (Goalpara): I wanted to to vote for 'Ayes'.

**Shri Tulshidas Jadhav** (Nanded): I wanted to vote for 'Ayes'.

**Mr. Speaker:** These observations would be recorded.

**Division No. 10**

**AYES**

[12.50 hrs.

Abdul Rashid, Bakshi
Achuthan, Shri
Alagesan, Shri
Alva, Shri A. S.
Aney, Dr. M. S.
Ankineedu, Shri
Anthony, Shri Frank
Babunath Singh, Shri
Bal Krishna Singh, Shri
Balmiki, Shri
Barman Shri P. C.
Barrow, Shri
Barupal, Shri P. L.
Basumatari, Shri
Bhagat, Shri B. R.
Bhagvati, Shri
Bhattacharyya, Shri C. K.
Bheel, Shri P. H.
Bist, Shri J. B. S.
Borooah, Shri P. C.
Brij Raj Singh-Kotah, Shri
Chandak, Shri
Chandrabhan Singh, Shri
Chandrjki, Shri
Chaturvedi, Shri S.N.
Chaudhuri, Shrimati Kamala
Daljit Singh, Shri
Das, Dr. M. M.
Das, Shri B. K.
Desai, Shri Morarji
Dighe, Shri
Dinesh Singh, Shri
Doren, Shri Kasinatha
Dubey, Shri R. G.
Dwivedi, Shri M. L.
Ering, Shri D.
Gaekwad, Shri Fatehsinhrao
Ganapati Ram, Shri
Gandhi, Shri V. B.
Gupta, Shri Shiv Charan
Hansda, Shri Subodh
Harvani, Shri Ansar
Hazarika, Shri J. N.
Hem Raj, Shri
Himatsingka, Shri
Himmatsinhji, Shri
Iqbal Singh, Shri
Jadhav, Shri M. L.
Jadhav, Shri Tulshidas
Jagjivan Ram, Shri
Jain, Shri A. P.
Jamir, Shri S. C.
Jamunadevi Shrimati
Jyotishi, Shri J. P.
Kamble, Shri
Kanungo, Shri
Kappen, Shri
Kapur Singh, Shri
Kedaria, Shri C. M.
Keishing, Shri Rishang
Khadilkar, Shri
Khanna, Shri Mehr Chand
Kohor, Shri
Kotoki, Shri Liladhar

## AYES—*Contd.*

Kanjalgi, Shri H. V.
Kripa Shankar, Shri
Krishna, Shri M. R.
Krishnamachari, Shri T. T.
Kureel, Shri B. N.
Lakshmikantahamma, Shrimati
Lalit Sen, Shri
Lonikar, Shri
Mahananda, Shri
Mahatab, Shri
Mahida, Shri Narendra Singh
Majithia, Shri
Malaichami, Shri
Molhotra, Shri Inder J.
Mantri, Shri
Maruthiah, Shri
Masani, Shri M. R.
Matcharaju, Shri
Mehta, Shri Jashvant
Mengi, Shri Gopal Dutt
Mirza, Shri Bakar Ali
Mishra, Shri Bibhuti
Misra, Shri Shyam Dhar
Mohanty, Shri Gokulananda
Mohsin, Shri
Morarka, Shri
More, Shri K. L.
Mukerjee, Shrimati Sharda
Munzni, Shri David
Nanda, Shri
Naskar, Shri P. S.
Niranjan Lal, Shri
Oza, Shri
Pande, Shri K. N.
Pandey, Shri R. S.
Panna Lal, Shri
Pant, Shri K. C.
Parmasivan, Shri
Patel, Shri Chhotubhai
Patel, Shri Man Sinh P.
Patel, Shri P. R.
Patel, Shri Rajeshwar
Patil, Shri S. B.
Patnaik Shri B. C.
Pallai, Shri Nataraja
Raghuramaiah, Shri
Rai, Shrimati Sahodrabai
Raj Bahadur, Shri
Raja, Shri C. R.
Rajdeo Singh, Shri
Raju, D.
Raju, Shri D. B.
Ram, Shri T.
Ram Sewak, Shri
Ram Subhag Singh, Dr.
Ram Swarup, Shri
Ramanathan Chettiar, Shri
Ramaswamy, Shri S. V.
Ramdhani Das, Shri
Rane, Shri
Ranga, Shri
Ranga Rao, Shri
Rao, Shri Jaganatha
Rao, Shri Krishnamurthy
Rao, Shri Rajagpoala
Rao, Shri Ramapathi
Rawandale, Shri
Reddy, Shrimati Yashoda
Roy, Shri Bishwanath
Saha, Dr. S. K.
Sahu Shri Rameshwar
Samanta, Shri S. C.
Saraf, Shri Sham Lal
Satyabhama Devi, Shrimati
Sen, Shri P. G.
Shakuntgala Devi, Shrimati
Sharma, Shri A. P.
Sharma, Shri K. C.
Shashi Ranjan, Shri
Sheo Narain, Shri
Shree Narayan Das, Sh
Shukla, Shri Vidya Charan
Shyamkumari Devi, Shrimati
Siddananjappa, Shri
Sidheshwar Prasad, Shri
Singh, Shri D. N.
Singh, Shri K. K.
Singha, Shri Y. N.
Sinha, Shrimati Tarkeshwari
Sinhasan Singh, Shri
Sonavane, Shri
Subbaraman, Shri
Subramanyam, Shri C.
Subrananyam, Shri T.
Sumat Prasad, Shri
Surendra Pal Singh, Shri
Swaran Singh, Shri
Thomas, Shri A. M.
Tiwary, Shri D. N.
Tiwary, Shri K. N.
Tiwary, Shri R. S.
Tombi, Shri
Uikey, Shri
Upadhyaya, Shri Shiva Dutt
Vaishya, Shri M. B.
Valvi, Shri
Varma, Shri Ravindra
Veerappa, Shri
Venkatasubbaiah, Shri P.
Vidyalankar, Shri A. N.
Vijaya Raje, Shrimati
Virbhadra, Singh Shri
Wadiwa, Shri
Wasnik, Shri Balkrishna
Yadava, Shri B. P.

## NOES

Alvares, Shri
Bagri, Shri
Banerjee, Shri S. M.
Barua, Shri Hem
Basumatari, Shri
Berwa, Shri Onkar Lal
Bhattacharya, Shri Dinen
Biren Dutta, Shri
Brij Raj Singh, Shri
Dwivedy, Shri Surendranath
Gupta, Shri Kashi Ram
Jha, Shri Yogendra
Kachhavaiya, Shri Hukam Chand
Kakkar, Shri Gauri Shankar
Kunhan, Shri P.
Limaye, Shri Madhu
Lohiya, Dr. Ram Manohar
Mahato, Shri Bhajhari
Nambiar, Shri
Nath Pai, Shri
Pattnayak, Shri Kishen
Pottekkatt, Shri
Roy, Dr. Saradish
Shastri, Shri Prakash Vi
Shinkre, Shri M. P.
Singh, Shri A. P.
Singh, Shri, Y. D.
Swamy, Shri M. V.
Swamy, Shri Sivamurthi
Venkaiah, Shri Kolla
Yadav, Shri Ram Sewak
Yashpal Singh, Shri

**Mr. Speaker:** The result of the division is as follows:

Ayes: 179; Noes: 32

*The motion was adopted.*

*(Dr. Ram Manohar Lohia left the House.)*

**श्री रामसेवक यादव** : सरकार द्वारा दिये गए वचन की अवहेलना पर यह काम बहुत ही निन्दनीय है और जनतन्त्र के घोर विरोध में है । इसके खिलाफ़ प्रोटेस्ट में हम सब वाक आउट करते हैं ।

*(Shri Ram Sewak Yadav left the House)*

**श्री किशन पटनायक** (सम्बलपुर) : यह लोक सभा की लानत है, लानत ।

*(Shri Kishen Pattnayak left the House)*

**Mr. Speaker:** Now, Papers to be laid on the Table.

**श्री मधु लिमये** : अध्यक्ष महोदय . . .

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप और विघ्न न डालिए । अगर आप जाना चाहते हैं, तो जाइये ।

**श्री मधु लिमये** : हम जा रहे हैं ।

**अध्यक्ष महोदय** : वह आप की मर्ज़ी है । मैं आप को रोक नहीं सकता ।

**श्री मधु लिमये** : मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि वचन भंग हो गया है यहां ।

*(Shri Madhu Limaye left the House)*

**Mr. Speaker:** Now, Papers to be Laid on the Table.

---

**12.52 hrs.**

## PAPERS LAID ON THE TABLE

### Report of Indian Delegation to 48th Session of ILO

**The Deputy Minister in the Ministry of Labour and Employment (Shri R. K. Malviya):** On behalf of Shri D. Sanjivayya, I beg to lay on the Table a copy of Report of the Indian Delegation to the 48th Session of the International Labour Conference held at Geneva from 17th June to 9th July, 1964. [*Placed in Library. See* No. LT-3679/64].

### Public Debt (Second Amendment) Rules

**The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat):** I beg to lay on the Table a copy of the Public Debt (Second Amendment) Rules, 1964, published in Notification No. GSR, 1614 dated the 7th November, 1964, under sub-section (3) of section 28 of the Public Debt Act, 1944. [*Placed in Library. See* No. LT-3680/64].

### Report of Tea Finance Committee

**The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri S. V. Ramaswamy):** I beg to lay on the Table a copy of Report of the Tea Finance Committee. [*Placed in Library. See* No. LT-3681/64].

### Notifications under Essential Commodities Act

**The Deputy Minister in the Ministry of Defence (Dr. D. S Raju):** On behalf of Shri D. R. Chavan, I beg to lay on the Table a copy each of the following Notifications under sub-section (6) of section 3 of the Essential Commodities Atc, 1955:—

(i) The Madras Coarse Grains (Export Control) Order, 1964, published in Notification No. GSR, 1741 dated the 7th December, 1964.

(ii) GSR. 1742 dated the 7th December, 1964, rescinding the Rajasthan Gram and Gram Products (Removal of Control) Order, 1953, published in Notification No. SRO 278 dated the 5th February, 1953 and the Coarse Grains (Removal of Control) Order, 1954, published in Notification No. SRO 55 dated the 1st January, 1964. [*Placed in Library. See* No. LT-3682/64].

### Notification under Extradition Act

**The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh):** I beg to lay on the Table a copy of Notification No. GSR. 1739 dated the 1st December, 1964, under section 35 of the Exradition Act, 1962. [*Placed in Library. See* No. LT-3683/64].

---